वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 315 | बुधवार 15 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा का दीक्षान्त समारोह आयोजित

दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से सस्ती और सर्वसुलभ शिक्षा प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास जरूरी: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से सस्ती और सर्वसुलभ शिक्षा समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि तकनीकी क्रांति की बदौलत विश्वविद्यालय घर बैठे शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करायेंगे तो अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक उच्च शिक्षा का उजियारा पहुंचेगा। राज्यपाल मंगलवार को संत सुधासागर सभागार में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के 15वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढता जा रहा है, कोरोना महामारी के समय दूरस्थ शिक्षा के केन्द्र घर बैठे विद्यार्थियों को ऑनलाइन किताबें और वीडियो लेक्चर के जरिए मदद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में हमें समाजोपयोगी शोध मानकों पर बल देना होगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर उत्कृष्ट शोध परिणाम से पहचान बनेगी, चिकित्सा अनुसंधानों में हमने अपनी मेधा के बल पर पूरे विश्व को दिखा दिया, अब अन्य क्षेत्रों में भी अपनी उत्कृष्टता का परिचय देना होगा। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में साधारण पाठ्यक्रमों के अलावा वोकेशनल और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की पढ़ाई पर और जोर दिया जाना चाहिए जिससे इस शिक्षा के जरिए बेरोजगारी दूर की जा सके। उन्होंने कहा कि तकनीकी ज्ञान वाले विद्यार्थी अपने नए ह्यस्टार्टअपह्य के साथ रोजगारों का सृजन करें और वोकेशनल कोर्स करने वाले विद्यार्थी भी उपयुक्त रोजगार पा सकें, जिससे आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त भारत बनाने का जो संकल्प राष्ट्र निर्माताओं का था, उस पर शैक्षिक संस्थानों को भी काम करना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों के परिसर को हरा-भरा और प्रदूषणमुक्त रखने एवं इसके लिए संजीदगी से कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि उर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना कोई बहुत बड़ा टास्क नहीं है और अब सोलर एनर्जी के सहारे हम इसे पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। राज्यपाल ने कहा विश्वविद्यालयों को शोध ''लैब-टु-लैंड'' प्रोग्राम चलाकर किसानों के हित में अनुसंधान करते हुए उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा गांव हमारी सामाजिक भागीदारी के हिस्से है। विश्वविद्यालयों द्वारा गांवों को उत्कृष्ट और विकसित करने के लिए गोद लिए जाने की परंपरा शुरू की गई थी, जिसके सुखद परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने दीक्षार्थियों को आव्हान किया कि विश्वविद्यालय में जो ज्ञान अपने गुरूजनों और अपनी पुस्तकों के माध्यम से आपने अर्जित किया है उसका प्रयोग करते हुए आप अपने अंदर नैतिक और आध्यात्मिक गुण विकसित करें जिससे आप विवेकशील बन सकें और लोक कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि समारोह में 32 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए हैं जिनमें 23 स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए हैं, यह भारत के लिए शुभ संकेत है।

सभागार का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के 15वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर नवनिर्मित संत सुधासागर सभागार का लोकार्पण किया गया। सांसद एवं विधायक कोष की राशि से बने सभागार का निर्माण दिगम्बर जैन भगवान महावीर संस्थान कार्यकारी एजेंसी द्वारा कराया गया है। इस अवसर पर अतिरिक्त संभागीय आयुक्त राजपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक शहर शरद चौधरी, ग्रामीण कावेन्द्र सिंह, कुलपति कृषि विश्वविद्यालय प्रो. अभय कुमार व्यास, तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. एसके सिंह, कोटा विश्वविद्यालय के कुल सचिव के के गोयल, सभी अधिष्ठाता, निदेशकगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जैन धर्म रक्षक पाठशाला का मनाया प्रथम वार्षिकोत्सव स्थापना दिवस हर्षोल्लास से

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जैन समाज की धर्म रक्षक पाठशाला का प्रथम वार्षिक स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया ।जैन समाज के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के शास्त्री प्राशु जी जैन के दिशा निर्देशन में जैन पाठशाला में अध्ययनरत 60 बच्चों के द्वारा 108 कलशों से अभिषेक, शांतिधारा करने के पश्चात देव, शास्त्र गुरु की पूजन के बाद अष्टद्रव्यों से द्वारा पूजा की गई, पाठशाला के अध्यापक निखिल जैन लावा वाले ने बताया कि उक्त पाठशाला संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागर जी महाराज की मंगल पावन प्रेरणा से शुरू की गई है जिसका आज प्रथम वार्षिक उत्सव है,

उक्त पाठशाला में बच्चों को धार्मिक संस्कार दिए जा रहे हैं उक्त कार्यक्रम में त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर की धार्मिक पाठशाला भी शामिल रही कार्यक्रम में शास्त्र सभा में शास्त्री जी ने पाठशाला क्यों जरूरी है पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उक्त पाठशाला में बच्चों को धार्मिक शिक्षा मिलेगी तो आगे जाकर इनका भविष्य धर्म संस्कारों से परिपूर्ण होगा, उक्त पाठशाला में जिन जिन महानुभावों ने अभूतपूर्व योगदान दिया है उनका भी सम्मान किया गया , उक्त कार्यक्रम मे समाजसेवी सोहन लाल झंडा,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, अग्रवाल समाज 84 के उपाध्यक्ष पवन कागला, नवरत्नमल कठमाना, राजाबाबू गोधा, राजकुमार मांदी, मुकेश गिंदोडी, महेंद्र गोधा, कमलेश चौधरी, अशोक कागला, त्रिलोक पीपलू, तथा मीनाक्षी मांदी, सुशीला झंडा, मोना मोदी, पिंकी मोदी, रेखा झंडा , रानी झंडा, अंजू मोदी, सोनाली झंडा, अवनी मोदी, शिप्रा कासलीवाल, अंजू मंडावरा, सोना कठमाना, प्रीति कलवाडा, सहित सभी अध्यापिकाओं ने तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

जन्म से कोई भी मनुष्य भगवान और गुनहगार नही बनता : राष्ट्र संत कमलमुनि कमलेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सेंट्रल जेल राष्ट्र संत कमल मुनि कमलेश,आचार्य सुदर्शन मुनि भव्यदर्शन मुनि ने जीव मैत्री संस्थान की और से मंगलवार को सेंट्रल जेल मे कैदियों को धर्म संदेश दे हुयें कहा कि जन्म से कोई मनुष्य भगवान और गुनहगार नही होता परन्तु उसकी जैसी संगत होगी वैसा ही वह बनता है ।संघति अच्छी रखोगे तभी अपने जीवन का निर्माण कर पाओगे । वरना गुस्से और नशे के आधीन रहोगे तो गुनहगार बनागे । सेंट्रल जैल मे संतो के पधारने पर जैल अधिक्षक भैरूसिह राठौड़ जेलर मुकेश जारोटिया, ने जैन संतो कि अगवानी करते हुये जीव मैत्री संस्थान के अध्यक्ष हेमन्त कोठारी अहिंसा भवन के संरक्षक हेमन्त आंचलिया पूर्व सभापति मंजु पोखरना,सुरेन्द्र सुराणा वी के जैन का जैल परिसर मे अभिनन्दन किया । प्रवक्ता सुनिल चपलोत ने बताया कि इसदौरान कैदियोंनो जैन संतो से नशा मुक्ति के सकल्प लेकर नशे का त्याग किये।

महिला दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन एवं परिणाम

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन मेवाड़ रीजन के चेयरमैन मोहन बोहरा व सचिव सुभाष मेहता के सानिध्य में मेवाड़ रीजन की महिला सशक्तिकरण कमिटी चेयरपर्सन डॉ प्रमिला जैन द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष में ''महिला सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर द्वि-स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके प्रथम चरण में 74 निबंध की प्रविष्टियां प्राप्त हुई। निबंध का मूल्यांकन करने हेतु दो अलग-अलग निर्णायकों को यह प्रविष्टियां भेजी गई उसमें से वरीयता क्रम से 20 प्रतिभागियों का चयन किया गया। द्वितीय चरण में चयनित 20 प्रतिभागियों की लिखित परीक्षा महिला सशक्तिकरण में मीडिया की भूमिका विषय पर 10 मार्च को करवाई गई। इस प्रतियोगिता के अंत मे सन्दर्भित विषय पर परिचर्चा भी रखी गई. इस परिचर्चा में कई रोचक तथ्य भी निकल कर आए जैसे-आजकल पेपर पेन से लिखना तो मानो विस्मृत ही हो गया। कुछ परीक्षार्थियों का कहना था कि लगभग 30-35 वर्षों बाद उन्होंने इस प्रकार की परीक्षा दी और उन्हें बहुत अच्छा लगा। महिला परीक्षार्थियों को उनके बच्चों ने All the best कर प्रोत्साहित किया, कुछ महिलाओं को उनके जीवनसाथी ने परीक्षा की तैयारी में तो सहयोग दिया साथ ही कुछ परीक्षार्थियों को परीक्षा स्थल पर लाने एवं लेजाने का कार्य भी किया जैसे बच्चों को हम स्कूल छोड़ने व लेने जाते है। परीक्षार्थी बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ परीक्षा केंद्र पर पहुंचे उनका कहना था कि इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित होते रहने चाहिए। इस निबंध प्रतियोगिता में प्रथम-अमृत कुमार मेहता, द्वितीय -विजया खमेसरा एवं मधु लोढ़ा, तृतीय वन्दना दक रहे। सांत्वना पुरस्कार हेतु अरुणा पटवा, निर्मला चौरड़िया एवं चंद्रकांता मेहता का चयन किया गया। यह जानकारी वुमन एंपावरमेंट कमेटी चेयर पर्सन डॉ प्रमिला जैन ने दी।

डॉ अनामिका पापड़ीवाल प्रतिभा सम्मान से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष आयोजन वूमेंस पावर 2023 में चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए राजस्थान जैन युवा महासभा द्वारा डॉ अनामिका पापड़ीवाल को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। आप काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट हैं और मालवीय नगर, जयपुर स्थित साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर की डायरेक्टर है। इससे पहले आपको चिन्मय चिकित्सा रत्न अवार्ड, राजस्थान डॉक्टर्स अवार्ड, आउटस्टैंडिंग काउंसलिंग सेंटर अवार्ड जैसे कई अवाड्र्स से सम्मानित किया जा चुका है। आप राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं और उन के माध्यम से समय-समय पर लगातार अपनी निशुल्क सेवाएं भी प्रदान करती रही है। मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशाला, व्याख्यान, मेडिकल कैंप और रचनाओं के प्रकाशन के अलावा रेडियो टीवी पर टॉक शो में आपकी नियमित सहभागिता रहती हैं। यह जरूरी है कि हमें किसी भी तरह की मानसिक परेशानी जो कि हमारी नियमित दिनचर्या को प्रभावित कर रही है, जिनका प्रभाव हमारे रिश्तो पर नकारात्मक रूप से दिखाई दे रहा है या जो हमारे जीवन में व्यावहारिक समस्याएं उत्पन्न कर रही हैं उनके लिए तुरंत सजग होकर जागरूक हो जाना चाहिए। ऐसे में जरूरत पड़ने पर साइकोलॉजिस्ट और साइकोथैरेपिस्ट से परामर्श लेने में किसी भी तरह की शर्म या झिझक नहीं करनी चाहिए क्योंकि अधिकतर शारीरिक बीमारियों की मुख्य जड़ हमारी मानसिक सेहत से ही जुड़ी होती है। डॉ अनामिका पापड़ीवाल साइकोलॉजिकल काउंसलिंग के क्षेत्र में पिछले 22 वर्षों से लगातार कार्यरत हैं।

चंदनबाला महिला मंडल ने फाग उत्सव मनाया, चौधरी नई अध्यक्ष निर्वाचित

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापूनगर स्थित महावीर भवन में सोमवार को चंदनबाला महिला मंडल की ओर से फागोत्सव आयोजन करने के साथ नए अध्यक्ष का निर्वाचन भी किया गया। मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष सुशीला संचेती, मंत्री नीता मेहता एवं कोषाध्यक्ष रेखा कांठेड़ सहित अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों की मौजूदगी में हुए चुनाव में आशा चौधरी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। श्रीमती चौधरी के निर्वाचन पर मंडल की सदस्यों ने खुशी जताई। मंत्री मेहता ने कहा कि कार्यकाल के दौरान उनकी तरफ से किसी भी तरह की जाने-अनजाने में हुई गलती के लिए क्षमायाचना की।

वेद ज्ञान

राम नाम की शक्ति...

राम नाम का प्रभाव सभी युगों, सभी शास्त्रों में कहा गया, किंतु कलियुग में तो और कोई उपाय ही नहीं! राम नाम की यह अनिवार्यता महाकवि तुलसीदास ने रामचरित मानस और विनय पत्रिका दोनों जगह रेखांकित की है। उनके अनुसार राम नाम वह साधन है जिससे 'सब रिद्धि-सिद्धि साधि रे'। यही नहीं जब तक जीव अपनी जिह्वा से राम नाम नहीं जपता तब तक वही दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों तापों से जलता रहेगा। यही बात संत कबीर ने भी कही, 'कहै कबीर तू लूट ले, राम नाम भंडार। काल कंठ जब गहे, रोके दसहुं द्वार।'तुलसी और कबीर केवल उदाहरण हैं। भारत में अनगिनत ज्ञानियों, कवियों, चिंतकों ने इस सत्य को असंख्य रूप में समझाया है। मगर आज कुछ बुद्धिजीवी राम नाम की महत्ता को तथा ऐसी बातों को अंधविश्वास कह कर हटा देते हैं मानो आधुनिक जीवन के कर्तव्य, संघर्ष या उन्नति में इसका कोई स्थान नहीं है। वहीं रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि हम नए युग के मनुष्य हैं जिसमें भोग, अहंकार के साथ धर्म को भी एक श्रेणी में देखा जाता है, किंतु यह भ्रम है। टैगोर ने ध्यान दिलाया था कि शताब्दियां बीतती गईं, लेकिन भारत में रामायण-महाभारत का स्त्रोत तनिक भी नहीं सूखा, क्योंकि यह श्रद्धा ही नहीं, बल्कि व्यवहार-बुद्धि की बात भी है। महाकवि निराला लिखते हैं, 'राम के हुए तो बने काम, संवरे सारे धन, धान धाम।' वर्तमान बुद्धिवादियों के संदेह को संबोधित करते हुए निराला वहीं जोड़ते हैं, 'पूछा जग ने, वह राम कौन? बोली विशुद्धि जो रही मौन, वह जिसके दून न ड्योढ़-पौन, जो वेदों में है सत्य, साम।' कवि व चिंतक अज्ञेय ने राम कथा के अनुरूप उन सभी स्थानों की विशेष यात्राएं आयोजित की, जहां-जहां राम के चरण पड़े थे। उनके साथ पंद्रह महत्वपूर्ण लेखक, कवि भी थे। यह प्रयत्न जितना अपनी ज्ञान तुष्टि के लिए था उतना ही सामाजिक, साहित्यिक लक्ष्य के लिए भी ताकि नए लेखक और पाठक भी राम कथा से जुड़ी भारतीय आत्मा को पहचानें, उसकी गंभीरता समझें। अज्ञेय की अनूठी पुस्तक जय जनक जानकी इसी सीय-राममय यात्रा का ही आकलन है। उन्होंने पाया कि रामायण का सत्य ऐसे विराट सत्य का संकेत दे रहा है जो ज्ञान-विज्ञान से बड़ा है जो चेतना के स्तर का सत्य है।

संपादकीय

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' से बढ़ रही हैं नई समस्याएं

कृत्रिम मेधा यानी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जैसे-जैसे मानवीय जीवन की जटिलताएं बढ़ रही हैं, मनुष्य वैकल्पिक तरीकों से उनका समाधान निकालने का प्रयास कर रहा है। एक तरफ देश और दुनिया की बढ़ती आबादी है, जिसके लिए संसाधनों की चिंता करनी है, वहीं मनुष्य द्वारा किए जाने वाले कई काम अब कृत्रिम मेधा की मदद से किए जा रहे हैं। कृत्रिम मेधा युक्त मशीन वैसे ही काम कर रही है, जैसे मनुष्य करता है। निरंतर शोध का परिणाम है कि इस मशीन से गलती कम और काम की गति तेज हो रही है। विद्यार्थी के सीखने के तरीके के आधार पर उसको सहयोग देने, भाषा प्रसंस्करण करने, आनलाइन गेम खेलने से लेकर रोगों के उपचार, सर्जरी तक कृत्रिम मेधा की जरूरत पड़ रही है। तकनीक के सहयोग से विद्यार्थियों को निर्देश और व्याख्यान दिए जा सकते हैं। कृत्रिम मेधा का उपयोग करके उत्तर कुंजी की मदद से परीक्षा का मूल्यांकन और आंकड़ों के जरिए छात्रों

के परिणाम का विस्तृत विश्लेषण किया जा सकता है। यही नहीं, उत्तर पुस्तिका में जो गलती छात्रों से हुई है, कृत्रिम मेधा के सहयोग से उसे भी आसानी से रेखांकित किया जा सकता है। कृत्रिम मेधा की शुरूआत 1956 में जान मैकार्थी द्वारा की गई थी। इसके लिए कंप्यूटर द्वारा निर्मित रोबोटिक प्रणाली तैयार की जाती है, फिर उसे मानव मस्तिष्क के आधार पर साफ्टवेयर की मदद से प्रोग्रामिंग करके सोचने-समझने और चलाने का प्रयास किया जाता है। कृत्रिम मेधा विश्लेषण करती है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता, समझता और सीखता है, फिर उस विश्लेषण के आधार पर अपना अल्गोरिद्म बनाती और काम करती है। ऐसे ही यह विद्यार्थियों के कौशल और दक्षता का मूल्यांकन करके उन्हें उच्च दक्षता के लिए निर्देशित कर सकती है। कुछ कंपनियां कृत्रिम मेधा का उपयोग करके अलग-अलग उम्र के बच्चे के लिए रुचिकर गणित-भाषा के लिए आनलाइन और वीडियो गेम बना रही हैं। भाषा के व्याकरण, शब्द और वाक्य विन्यास जैसी अशुद्धियों को ठीक कर रही हैं। इस तरह के ऐप आने से भाषा-संपादन के लिए दूसरों पर निर्भरता कम होती जा रही है। अस्सी के दशक से पांचवीं पीढ़ी का कंप्यूटर बनाने की परियोजना शुरू हुई और फिर सुपर कंप्यूटर बनने लगे। 1997 आते-आते ऐसे सुपर कंप्यूटर बन गए, जिनका मस्तिष्क सामान्य मनुष्य से तेज चलने लगा। डीप ब्लू नामक आइबीएम के कंप्यूटर का दिमाग इतना तेज हो गया कि उसने शतरंज के एक मशहूर खिलाड़ी को हरा दिया था। उसकी सफलता ने ऐसे कंप्यूटर बनाने का रास्ता खोला, जो कठिन गणितीय गणना, वित्तीय माडलिंग, बाजारों का रुझान, गंभीर खतरों का विश्लेषण आदि कर सकें। डीप ब्लू के बाद की पीढ़ी के वाटसन नामक कंप्यूटर ने फरवरी, 2011 में कृत्रिम मेधा के सहयोग से शतरंज के दो मशहूर खिलाड़ियों को लाखों लोगों के सामने हरा दिया। आज हर जरूरत के अनुसार अलग-अलग तरह के कृत्रिम मेधा के माडल तैयार हैं- कुछ पूर्णतः प्रतिक्रियात्मक हैं, तो कुछ की स्मृति सीमित है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कर्ज का बोझ

जनता को मुफ्त सुविधाएं बांटने के फेर में केंद्र और राज्य सरकारें कर्ज के बोझ तले दबती जा रही हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में केंद्र सरकार ने 4.36 लाख करोड़ रुपए की सबसिडी बांटी है। आगामी वित्तवर्ष 2023-24 में केंद्र ने सबसिडी को कम जरूर किया है, लेकिन कोरानाकाल से जारी मुफ्त राशन योजना को दिसंबर 2023 तक विस्तार दे दिया है। राष्ट्रीय खाद्यान्न योजना के अंतर्गत देश भर में मुफ्त अनाज लेने वाले लाभर्थियों की संख्या करीब नब्बे करोड़ है। केंद्रीय मंत्री संसद में स्वीकार कर चुके हैं कि राज्यों में फर्जी राशन कार्डों के माध्यम से 55.37 लाख अपात्र लाभार्थी योजना का लाभ ले रहे हैं। वित्तवर्ष 2022-23 में केंद्र ने मनरेगा पर नब्बे हजार करोड़ रुपए खर्च किए। बदले में पच्चीस फीसद विकास कार्य भी देश में नहीं दिखाई दिए हैं। रिजर्व बैंक का आकलन है कि बीते वर्ष में राजस्व में एक फीसद की अवश्य वृद्धि हुई है, लेकिन केंद्रीय बजट में सबसिडी का हिस्सा सात फीसद तक पहुंच गया है। यानी सरकार जीएसटी और अन्य करों के माध्यम से वसूली कर रही है, तो उससे कई गुना राशि मुफ्त में बांट रही है। सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों में चुनाव जीतने के लिए मुफ्त रेवड़ी की घोषणा एक सुलभ उपाय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। इससे देश का बुनियादी ढांचा चरमरा गया है। अब देश के आम आदमी की मानसिकता गरीब बनकर जीवन यापन की हो चुकी है। वह अपने स्तर से ऊपर आना भी नहीं चाहता, क्योंकि उसे मिलने वाली मुफ्त और अनुदान आधारित योजनाओं के छिन जाने का डर है! देश के दस राज्य अपनी कर्ज लेने की अंतिम सीमा रेखा पार कर चुके हैं। आरबीआइ की रिपोर्ट बताती है कि इन राज्यों ने मुफ्त बांटने की योजनाओं पर रोक नहीं लगाई, तो राज्यों में विकास की स्थिति श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी होगी। इस रिपोर्ट के मुताबिक देश के तीस राज्यों ने अप्रैल 2022 से दिसंबर 2022 तक नौ माह की अवधि में 2.28 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया था, जबकि अगले तीन माह जनवरी 2023 से मार्च 2023 तक 3.34 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लेने की कतार में शामिल थे। आरबीआइ की रिपोर्ट में घोषित दस राज्यों- पंजाब, केरल, बिहार, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, मध्यप्रदेश के हालात ये हैं कि इनकी समस्त आय का नब्बे फीसद हिस्सा कर्मचारियों की तनख्वाह, पेंशन, ब्याज, सबसिडी पर खर्च हो रहा है। सभी व्यय के बाद इन राज्यों में विकास के लिए दस फीसद हिस्सा भी नहीं बच रहा है। सवाल यह भी है कि क्या ये राज्य लिए गए कर्ज कभी लौटा पाएंगे? स्थितियां बदतर हैं, लेकिन चुनावी प्रबंधन के लिए मुफ्त घोषणाओं में कोई भी सरकार पीछे नहीं है। रिजर्व बैंक की गणना के अनुसार सरकार के वित्तीय अनुशासन में कर्ज का बोझ उस राज्य की जीडीपी के तीस फीसद से अधिक नहीं होना चहिए, लेकिन पंजाब 53.3 फीसद, राजस्थान 40 फीसद, बिहार 38, उत्तर प्रदेश 34, मध्यप्रदेश 32 फीसद का बोझ लिए बैठे हैं। इन राज्यों को और अधिक कर्ज देने से वित्तीय संस्थाएं परहेज कर रही हैं, लेकिन जरूरतमंद राज्य अचल संपतियां और प्रतिभूति गिरवी रख कर भी कर्ज मांगने की कतार में शामिल हैं।

स्वर ज्ञान व वास्तु का एक दिवसीय शिविर का आयोजन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जियो वास्तु परिवार के जयपुर चैप्टर के प्रयासो से विश्व प्रसिद्ध वास्तुविद,ज्योलियोजिस्ट, स्वर विशेषज्ञ डॉ राजेन्द्र जैन द्वारा तोतुका भवन, भट्टारक जी की नसिया जयपुर में स्वर ज्ञान व वास्तु का एक दिवसीय शिविर का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस एक दिवसीय शिविर में डॉ राजेन्द्र जैन द्वारा प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक 'थायराइड' का उपचार इसी भवन में आयोजिंत किया। जिसमें 250 से अधिक लोगों ने उपचार निशुल्क लिया । डॉ राजेन्द्र जैन द्वारा अभी तक देशभर में 40 हजार से अधिक लोगों का सेवा भावना से 'थायराइड' का निशुल्क उपचार किया है।इसी दिन तोतुका भवन के सभागार में सायं से रात्रि 11 बजे तक 'स्वर एवम वास्तु' के प्रत्यक्ष सेमिनार का आयोजन भी किया। जीवन साधना में सबसे अहम श्वास को कैसे नियंत्रित और अपनी सफलता का कारक बनाएं, विषय पर श्वास की गहराइयों को प्रत्यक्ष उदाहरण और शुद्धता से समझाया।जीवन में सफलता, स्वास्थ और व्यवसाय में लाभ ओर इससे संबंधित समस्याओ का इलाज स्वर से करना सिखाया । इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार पाटनी , उमराव मल संघी, राजीव जैन गाजियाबाद ,जियो चैप्टर जयपुर के सभी सदस्य सहित एक हजार से अधिक लोग उपस्थित थे। ग्रुप के आयोजक श्रीमती मनीषा जैन अलवर, डॉक्टर शालू जैन कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती ज्योति पाटनी ने बताया कि लोगों की भारी मांग पर आदरणीय गुरूजी ने 7,8,9 अप्रैल को स्वर विज्ञान शिविर के आयोजन की स्वीकृति प्रदान की जिसका आयोजन जयपुर चैप्टर के संयोजन मे होगा। **मंच संचालन श्रीमती मीना जैन चौधरी ने किया।**

समाजसेविका यशोदा चौधरी को किया सम्मानित

जोधपुर. शाबाश इंडिया। पिछले काफी समय से जनता की सेवा में समर्पित सक्रिय समाजसेविका व शिक्षाविद यशोदा चौधरी द्वारा रविवार को जोधपुर में पावटा क्षेत्र के मीरा गार्डन में महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर व सम्मान समारोह कार्यक्रम में इंडियाग्सो फाउंडेशन के तहत ऑन टाइम पे की टीम के भंवर चौधरी,राज सर, गिरिराज, कवि चौधरी और प्रकाश परिहार द्वारा पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया गया। पेमेंट गेटवे ऑन टाइम पे के मार्केटिंग हैड भंवर चौधरी ने बताया कि आम लोगो को समाजसेविका यशोदा चौधरी को अपना आदर्श मानकर इनके द्वारा निस्वार्थ भाव से किए जा रहे मानव सेवा कार्यो से प्रेरणा लेकर आम इंसान को अपने जीवन में हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त युवा सामाजिक कार्यकर्ता 1 अप्रैल 2023 से राजस्थान रोडवेज की बसों में कर सकेंगे नि:शुल्क यात्रा

चितौड़. शाबाश इंडिया

पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन ने बताया कि राजस्थान सरकार ने इस वर्ष के बजट में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से पुरस्कृत सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी कैडेट्स व स्काउट एंड गाइड्स को राजस्थान रोडवेज की साधारण व द्रुतगामी बसों में राज्य की सीमा के अंदर नि:शुल्क यात्रा की 1 अप्रैल से सुविधा दी है। नेशनल यूथ अवार्डी दिव्या कुमारी जैन ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का इस सुविधा को मुहैया कराने के लिए आभार व्यक्त किया है। दिव्या ने कहा कि इसके साथ ही राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त युवाओं को उनके कार्य क्षेत्र में ब्रांड अम्बेसेडर भी बनाती तो निश्चित रूप उनका अनुभव का फायदा सरकार को मिलता साथ ही सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओ का जन जन तक प्रचार प्रसार भी होता । दिव्या ने बताया कि उसने इस विषय मे पूर्व में भी मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखा था अब पुनः लिखेगी ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन, जयपुर के सानिध्य में
एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर के सहयोग से
आओ मित्र बनायें
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर, जयपुर एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री, जयपुर
के संयुक्त तत्वाधान में
निःशुल्क जाँच, परामर्श एवं रक्तदान शिविर
Donate BLOOD
रविवार, 19 मार्च 2023 प्रात: 9 से 1 बजे
स्थान: WELTON HOSPITAL Care Beyond Cure...
219-220, महावीर नगर प्रथम, दुर्गापुरा, टोंक रोड़, जयपुर
ORTHOPAEDICS
घुटने का दर्द, घुटने व कूल्हे के जोड़ में घिसावट, लिगामेन्ट इन्जरी, घुटने की गद्दी फटना, कमर में दर्द, स्लीप डिस्क, कंधे का जाम होना, कंधे का बार-बार उतरना, हड्डी का कैंसर
MEDICINE
हाइपरटेंशन, डायबिटीज, थॉयराइड व हार्मोन डिसओर्डर डेंगु, मलेरिया, टाइफाईड, टी.बी., कोविड़ 19 मैनेजमेन्ट Obesity & Life Style Management
❖ Dr. S. P. Gupta ❖ Dr. Sandeep Yadav ❖ Dr. Rohit Yogendra Goyal ❖ Dr. Vivek Bhambu
❖ Dr.Ganpat Choudhary ❖ Dr. Anchin Kalla ❖ Dr. Piyush Sharma
क्यों न स्वयं की एक पहचान बनाये, रक्तदान करे एवं करवाये ।
संयोजक : कैलाश पाटनी 7597783668 महावीर पाण्ड्या 9928167879
अनिल जैन संस्थापक अध्यक्ष सुनील बज अध्यक्ष विनोद बड़जात्या सचिव
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर, जयपुर
Donate BLOOD
संयोजक : रितेश अजमेरा 9352565177 अमित जैन 9828013550
अतुल बिलाला संस्थापक अध्यक्ष सुनील बड़जात्या अध्यक्ष अजय जैन सचिव
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री, जयपुर

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रीजन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का हुआ शुभारंभ

श्री महावीर कॉलेज में आयोजित प्रथम रक्तदान शिविर में 40 यूनिट ब्लड एकत्र

महावीर जयंती तक लगेंगे 31 रक्तदान शिविर, 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी स्कीम स्थित श्री महावीर कॉलेज एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर द्वारा राजस्थान रीजन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार दिनांक 14 मार्च 2023 को कॉलेज परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान के लिए 90 से अधिक लोगों का पंजीयन हुआ। शिविर में 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयर नेस कार्यक्रम के अंतर्गत आई एस आई मार्का हेलमेट स्मृति चिन्ह के रूप में प्रदान किया। शिविर में महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, कोषाध्यक्ष महेश काला, सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश गोदिका, सचिव अनिल संघी, उपाध्यक्ष राकेश संघी, परामर्शक दर्शन जैन, सह समन्वयक सुधीर गोधा, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महामंत्री निर्मल संघी, विराट ग्रुप के अध्यक्ष बसंत जैन एवं अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने कहा कि रक्तदान से आत्मिक संतुष्टि और जीवन की सार्थकता का अहसास होता है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता, शिविर सयोजक डॉ नेहा गंगवाल, डॉ मिनल शर्मा तथा कॉलेज शिक्षक भी उपस्थित रहे।

शिविरो की श्रृंखला में अगला शिविर 17 मार्च को जनकपुरी में

ग्रुप द्वारा आगामी 17 मार्च को दिगंबर जैन मंदिर जनकपुरी के संयम भवन में प्रात 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। उल्लेखनीय हैं कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा राजस्थान रीजन के तत्वावधान में आदिनाथ से महावीर जयंती तक कुल 31 रक्तदान शिविरो का आयोजन विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष राकेश गोदिका ने बताया कि मानव सेवार्थ आयोजित इन शिविरो के मुख्य प्रायोजक आर के मार्बल ग्रुप किशनगढ़ तथा सह प्रायोजक ए आर इंफ्राटेक तथा प्रमुख समाचार पत्र समाचार जगत है ।इन शिविरो में 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है।

सम्यक जैन ग्रुप का होली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सम्यक जैन सोशल ग्रुप का होली मिलन समारोह झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में वीरेंद्र गुण माला की फैक्ट्री पर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने गाजे-बाजे से णमोकार मंत्र जाप के साथ होली मिलन समारोह का धूमधाम से शुभारंभ किया। इसके उपरांत मंगलाचरण पाठ सुनीता, सुनयना, कल्पना, गुणमाला, रजनी, पुष्पा जी, आरती, निधि, खुशबू एवं लीना द्वारा संगीत के साथ किया गया फिर सभी महिला पुरुष सदस्यों ने अनेक रंगों की गुलाल एक दूसरे के लगा कर होली खेली होली मिलन पर बनाई गई स्पेशल होली हाऊजी को बड़े रुचि कर ढंग से खिलाया गया। अंत में सरप्राइस गिफ्ट वीरेंद्र गुणमाला को देना तय हुआ। जो आगे होने वाले कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित कर दिया जाएगा। वीरेंद्र, मुकेश अलीपुर, संजय, प्रदीप तिजारा, देवेश, मनीष, शीतल, मुकेश मंडावर प्रकाश जी, प्रियंक, रोहित आदि ने ढोल बजाकर महिलाओं एवं पुरुषों के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। अंत में कार्यक्रम में आने वाले सभी महिला पुरुष सदस्यों का सुनीता मुकेश जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया जिसमें उन्होंने कहा कि आप आए आप का बहुत-बहुत शुक्रिया लेकिन भविष्य में होने वाले सभी कार्यक्रमों में आप सभी लोग समय पर आएं जिससे कार्यक्रम समय पर प्रारंभ किया जा सके।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

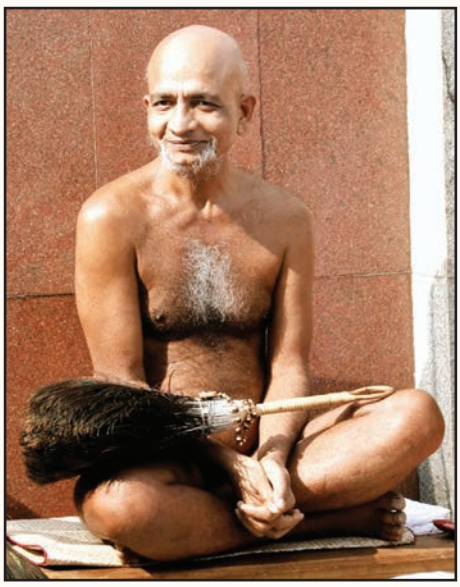

दान के वो मायने खो देते हैं..
जो वक्त पर नहीं,, रो रोकर देते हैं..!

एक महिला किसी उम्र बुजूर्ग के पास गई, और बोली - बाबा, कोई ऐसी ताबीज लिखकर दो, जिससे मेरे बच्चे रात को भूख से ना रोये। बुजूर्ग ने एक कागज पर कुछ लिखकर दिया। वह महिला लेकर चली गई। दूसरे दिन किसी ने पैसों से भरा थैला उसके आंगन में फैका। थैले में एक परचा निकला, जिस पर लिखा था - खुद मेहनत करो। जैसे ही उसके पति ने पर्ची को पढ़ा और एक दुकान किराए पर ले ली। अपना व्यापार शुरू कर दिया। उसका व्यापार बहुत अच्छा चलने लगा। कहते हैं ना - भगवान जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है, और लेता है तो कपड़े फाड़कर लेता है, लक्ष्मी छप्पर फाड़कर आने लगी। एक दिन अचानक उस महिला की नजर अपने पुराने संदूक पर गई, जिसमें उसने बुजूर्ग के लिखे मन्त्र को रखा था। उसने वह परचा खोला और उसको जैसे ही पढ़ा - उसमें बुजूर्ग बाबा ने लिखा था - जब पैसों की तंगी खत्म हो जाये तो सारा पैसा तिजोरी में रखने की बजाए, ऐसे घर में डाल देना जहाँ से रात को बच्चों के रोने की आवाज आती हो। बात बहुत गहरी है - साहस ही है जो हमें, हमारी मंजिल तक ले जाता है। इसलिए हम कहते हैं- हिम्मत करोगे तो हाथी भी बांध लोगे.. अन्यथा किस्मत में गधा भी नसीब नहीं होगा...!!!।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

अलौकिक श्रृंगार से सजा बाबा श्याम का दरबार,भजनों पर झूमे श्रद्धालु

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री श्याम परिवार सेवा समिति कोटखावदा के तत्वावधान में बाबा श्याम का अलौकिक श्रृंगार से दरबार सजाया गया भजन संध्या एवं फाग महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम श्याम प्रेमियों व रीतेश गोलू वैद ने मनमोहक झांकी सजाई तत्पश्चात विधिवत पूजा अर्चना कर आरती की गई इसके बाद गायक अमित शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी साथ ही सैकड़ों की संख्या में भक्त बाबा श्याम को रिझाने में उपस्थित रहे नंदकिशोर शर्मा ने कीर्तन की है रात बाबा आज, बजरंग बाला मतवाला आजा लाल लंगोटे वाला, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा, जैसे अनेक भजनों की प्रस्तुति दी तो उपस्थित श्याम प्रेमी झूमने लगे इत्र एवं पुष्प वर्षा से दरबार महकता रहा रितेश वैद व धर्मचंद वैद ने बताया की बाबा श्याम के भजनों का आयोजन किया गया एवं फाग उत्सव फूलों से खेला गया गुरूवार प्रातः कालीन बैला में बाबा श्याम की महाआरती की गई एवं उपस्थित सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

डॉक्टर मालती गुप्ता हुईं सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजस्थान के महिला संगठनों की ओर से डॉक्टर मालती गुप्ता, राजस्थान की प्रथम प्लास्टिक सर्जन, को महिला सशक्तिकरण अभियानों में उनके सक्रिय योगदान एवं सतत सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया। डॉक्टर मालती गुप्ता जयपुर जिला स्थानीय शिकायत समिति की अध्यक्ष रह चुकी हैं , और जिला महिला सहायता समिति एवं महिला अधिकारिता विभाग की स्टीयरिंग कमेटी की सदस्य भी रह चुकी हैं। हाल ही में उन्हें राज्य सरकार द्वारा भामाशाह सम्मान से भी पुरस्कृत किया गया था।

हिंदी के लिए सत्याग्रह करने वाले वरिष्ठ पत्रकार-साहित्यकार वेदप्रताप वैदिक का निधन अपूरणीय क्षति

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

एक दुखद खबर आ रही है। वरिष्ठ पत्रकार , पटु वक्ता, हिंदी प्रेमी, वरिष्ठ साहित्यकार डाक्टर वेदप्रताप वैदिक जी हमारे बीच नहीं रहे हैं। वैदिक जी 78 साल के थे। बेहद ऊजार्वान। नियम के पक्के। प्रतिदिन अपना कॉलम लिखते थे। कल पंद्रह मार्च को उन्हें साहित्य के एक कार्यक्रम का उदघाटन करना था। डाक्टर वैदिक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ थे। वे हिंदी से बहुत प्यार करते थे और इसको बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई। पत्रकारिता, राजनीतिक चिंतन, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, हिंदी के लिए अपूर्व संघर्ष, विश्व यायावरी, प्रभावशाली वक्तृत्व, संगठन-कौशल आदि अनेक क्षेत्रों में एक साथ मूर्धन्यता प्रदर्शित करने वाले अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी. वेदप्रताप वैदिक का जन्म 30 दिसंबर 1944 को पौष की पूर्णिमा पर इंदौर में हुआ। वे सदा प्रथम श्रेणी के छात्र रहे। वे रुसी, फारसी, जर्मन और संस्कृत के भी जानकार थे। उन्होंने अपनी पीएच.डी. के शोधकार्य के दौरान न्यूयार्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मास्को के 'इंस्तीतूते नरोदोव आजी', लंदन के स्कूल ऑफ ओरियंटल एंड एफ्रीकन स्टडीज और अफगानिस्तान के काबुल विश्वविद्यालय में अध्ययन और शोध किया। वैदिकजी ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का शोध-ग्रंथ हिन्दी में लिखा। वे लगभग 10 वर्षों तक पीटीआई की हिंदी न्यूज एजेंसी भाषा के संस्थापक-संपादक और उसके पहले नवभारत टाइम्स के संपादक (विचार) रहे। इस समय दिल्ली के राष्ट्रीय समाचार पत्रों तथा प्रदेशों और विदेशों के लगभग 200 पत्र-पत्रिकाओं में उनका कॉलम छपता था। जैनाचार्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के पास भी आप अक्सर जाया करते थे, खूब चर्चा होती थी। स्वदेशी पर वे आचार्यश्री से खूब प्रभावित थे। उनके अकस्मात निधन से अपूरणीय क्षति हुई है। भावभीनी श्रद्धांजलि।

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ मांडल में मंगल प्रवेश

भीलवाडा. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ मांडल में मंगल प्रवेश हुआ। बागोर- गंगापुर होते हुए उदयपुर के लिए विहार हो गया। दिगंबर जैन समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष सोहनलाल गंगवाल ने बताया कि किशनगढ़ से शाहपुरा तिराहे तक सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा आचार्यश्री को श्रीफल भेटकर भीलवाड़ा में अल्प प्रवास करने का निवेदन किया गया । प्रतिदिन भीलवाड़ा शहर से सैकड़ों की तादाद में पुरुष, महिला, युवा सभी कॉलोनियों से आचार्यश्री को निवेदन कर भीलवाड़ा आगमन करने का पलक पावडे बिछाऐ रखा । पूरे विश्वास को जगाया रखा। आचार्यश्री ससंघ हमारे नगर में आकर सभी को, धर्मदेशना, आहारचर्या, वयावृत्ति का लाभ मिलेगा। लेकिन भीलवाड़ा वासियों का अरमान पूरा नहीं हुआ। अब यही माना जाएगा कि भीलवाड़ा वासियों का पुण्य प्रबल नहीं था। सकल दिगंबर जैन समाज ने जो आचार्यश्री के प्रति जो भक्ति, श्रद्धा दिखाई । वह अनुकरणीय है। इस विहार में आचार्यश्री का आशीर्वाद, वात्सल्य भीलवाड़ा समाज को मिला। उसे कभी नहीं भुला पाएगा। प्रातः आचार्यश्री ससंघ का आशीर्वाद वाटिका मांडल से विहार कर राजकीय बालिका विद्यालय मेजा में रात्रि विश्राम किया। प्रातः आहारचर्या के बाद बागोर- गंगापुर होते हुए आचार्य श्री संघ का उदयपुर के लिए विहार करेंगे।

दो दिवसीय स्वास्थय परिक्षण शिविर का आयोजन

सूरत. शाबाश इंडिया। नेहा फाउंडेशन,सूरत द्वारा चलथान की प्राथमिक गुजराती शाला में दो दिवसीय स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ राष्ट्रसंत आचार्य श्री चन्द्रानन सागर सूरीश्वरजी महाराज द्वारा प्रेषित आशीर्वाद सन्देश को पढ़कर तथा चलथान में विराजित साध्वी श्रीजी के आशीर्वाद से हुआ। इस शिविर में सामान्य चिकित्सक, दन्त रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, चर्म रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, ईएनटी विशेषज्ञ एवं रक्त और ईसीजी जाँच की सुविधा का दो दिनों में लगभग 1500 जनों ने लाभ उठाया। इस शिविर में प्रथमिक गुजराती शाला के अध्यापकों, श्री एकता चालथान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ, चलथान की पूरी टीम का अतुलनीय योगदान रहा।

शिविर में 150 मरीजों के आंखों के आपरेशन हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया। सेवाधर्म मिशन, जयपुर के तत्वावधान में व जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से 11 मार्च से शास्त्री नगर के जनोपयोगी भवन ट्रस्ट में चल रहे 150वें निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर एवं लेन्स प्रत्यारोपण शिविर का समापन हुआ। संयोजक ताराचन्द जैन ने बताया कि इस शिविर में आउटडोर में आंखों को दिखाने के लिए 650 मरीज आए,जिसमें से 110 मरीजों के आपरेशन हुए। इन मरीजों की पुनः जांच के लिए 26 मार्च को शिविर स्थल पर बुलाया गया है,जिसमें इनको निःशुल्क चश्मा दिया जाएगा। आउटडोर की समस्त दवाइयां आनन्द मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम जयपुर ने दी।

द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन उड़ान-2023 तैयारियों को लेकर हुई बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतरराष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान के बैनर तले **''द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन उड़ान-2023''** आगामी 8-9 अप्रैल को जयपुर में आयोजित होगा। अधिवेशन की तैयारियों को लेकर राजस्थान इकाई की मुख्य, महिला, युवा विंगों की आवशयक बैठक श्याम नगर स्थित संस्था के प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अधिवेशन की आवास व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, प्रचार -प्रसार व्यवस्था, साज -सज्जा व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, अन्य कई व्यवस्थाओं के सम्बन्ध मे समितियों के गठन व उनके कार्य निर्धारित किए गए,साथ ही आमजन में जन जागरण चलाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री विनय ढंढारिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, वैवाहिक परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय संयोजक पवन कुमार मित्तल, प्रदेश संगठन मंत्री प्रदीप खेतान, प्रदेश संरक्षक राधेश्याम गुप्ता, प्रदेश संरक्षक मनीष अग्रवाल(नावा वाले)युवा प्रदेश अध्यक्ष सुनील रिंगस्या, युवा प्रदेश महामंत्री मनीष गोयल, प्रदेश युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र मित्तल, युवा जिला अध्यक्ष मनीष अग्रवाल(बड़ा गाँव वाले), प्रदेश महिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसुंधरा मित्तल, अग्र कला कौशल कार्ययोजना की प्रदेश संयोजीका सपना अग्रवाल, महिला जिला अध्यक्ष अनुपमा गुप्ता व पूर्व पार्षद संगीता गर्ग उपस्थित रही।